शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.)

एन.टी.ए. द्वारा आयोजित सीयूईटी-पीजी 2022 प्रवेश परीक्षा (PGQP09)

निर्देशिका

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

शिक्षामन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन (संसद के अधिनियम द्वारा संस्थापित)

56-57 इन्स्टीट्यूशनल एरिया, (डी-ब्लाक) जनकपुरी, नई दिल्ली – 110058

फोन न. 011-28521258, वेबसाइट - www.sanskrit.nic.in ईमेल – exams@csu.co.in

विषयानुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय	पृ.सं.
1.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का संक्षिप्त परिचय	3
2.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) में प्रवेश के लिए योग्यता	3
3.	शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में उपलब्ध स्थान संख्या	4
4.	आरक्षण	5
5.	आरक्षित श्रेणी के लिए प्रमाणपत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी	5
6.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर के लिए शैक्षणिक धारा के अनुसार आरक्षित स्थान	6
7.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) प्रवेश परीक्षा – 2022 हेतु निर्देश	7
8.	परीक्षा केन्द्र	8
9.	अत्यावश्यक सूचना	8
10.	विश्वविद्यालय-परिसरों में अध्ययनार्थ काउन्सेलिंग हेतु ऑनलाईन आवेदन के लिए निर्देश	8
11.	ऑनलाईन आवेदन करने से पहले ध्यातव्य तथ्य	9
12.	परीक्षावधि एवं परीक्षा सम्बद्ध सूचना	9
13.	प्रश्नपत्र रूपरेखा	9
14	मूल्याङ्कन विधि	10
15.	परीक्षा परिणाम सम्बद्ध विशेष सूचना	10
16.	शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा – 2022 का पाठ्यक्रम	10
17.	प्रवेश परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के उदाहरण	11

शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) प्रवेशपरीक्षा – 2022

1. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का संक्षिप्त परिचय

संस्कृत आयोग 1956 की अनुशंसाओं के अनुसार भारत सरकार द्वारा वर्ष 1970 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की संस्थापना हुई। इसका मुख्य उद्देश्य सम्पूर्ण देश में संस्कृत शिक्षा, शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना, प्रचार करना और संरक्षित करना है। यह पूरी तरह से मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था। पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के प्रचार और प्रसार के क्षेत्र में इसके योगदान को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को 7 मई, 2002 में मानित विश्वविद्यालय का दर्जा दिया। तत्कालीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 (2020 की संख्या 5) के अन्तर्गत संसद द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में पारित किया गया है। महामहिम भारत के राष्ट्रपति के अनुमोदनोपरांत 30 अप्रैल, 2020 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में कार्य आरम्भ किया।

यह विश्वविद्यालय अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ का सदस्य है तथा राष्ट्रीय मूल्याङ्कन प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा ‘ए’ श्रेणी प्राप्त है। देश के विभिन्न भागों में स्थित इसके परिसरों में प्राक्शास्त्री से लेकर आचार्य/विद्यावारिधि (Ph.D.) पर्यन्त अध्ययन की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसके नौ परिसरों में द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है जो कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) द्वारा मान्यता प्राप्त है। इस शैक्षिक सत्र 2022-23 से शिक्षाशास्त्री कक्षा में प्रवेश हेतु अखिल भारतीय स्तर पर भारत सरकार द्वारा सञ्चालित **नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी (NTA)** के माध्यम से शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा संचालित की जा रही है। **शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा का प्रश्नपत्र कोड एन.टी.ए. द्वारा PGQP09 निर्धारित किया गया है।** विश्वविद्यालय द्वारा द्विवर्षीय शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम भी कतिपय परिसरों में संचालित किया जाता है। इसमें प्रवेश हेतु अखिल भारतीय स्तर पर **नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी (NTA)** के माध्यम से शिक्षाचार्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

2. शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) में प्रवेश के लिए योग्यता

(अ) योग्यता

क. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से शास्त्री या बी.ए. (संस्कृत विषय सहित) अथवा आचार्य/एम.ए. (संस्कृत) या तत्समकक्ष परीक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत प्राप्तांक सहित उत्तीर्णता या समकक्ष ग्रेड।

ख. अर्हता परीक्षा में प्रविष्ट छात्र/छात्रा भी आवेदन कर सकते हैं।

ग. केन्द्र सरकार के नियमानुसार अनुसूचित जाति / जनजाति / ओ.बी.सी. / अन्यथा सक्षम अभ्यर्थियों के लिए अन्य शर्त सहित उपर्युक्त परीक्षाओं में 45 % अंक अनिवार्य हैं।

प्रवेश के समय आवेदन के साथ अर्हता-परीक्षा में उत्तीर्ण होने के प्रमाण संलग्न होने चाहिए। यदि परीक्षा फल घोषित न हुआ हो तो प्रवेश के समय साक्षात् अथवा गोपनीय परिणाम से सम्बन्धित प्रमाणपत्र जमा करने पर ही प्रवेश दिया जाएगा अन्यथा प्रवेश की अर्हता निरस्त हो जायेगी।

(ब) **चयन विधि**

भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में अध्ययन हेतु एन.टी.ए. द्वारा प्रश्नपत्र कोड PGQP09 के साथ **सीयूईटी-पीजी 2022** का आयोजन किया जा रहा है। **प्रवेश परीक्षा में आवेदन करने से पूर्व सभी अभ्यर्थी एन.टी.ए. द्वारा जारी किये गये सभी निर्देशों को अच्छे से पढ़ लेंवे और प्रत्येक स्तर पर सावधानी से समस्त जानकारियों को दर्ज करें।**

शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक सभी छात्रों को एन.टी.ए द्वारा निर्धारित ऑनलाईन आवेदन पर आवेदन करना होगा। आवेदन के उपरान्त NTA द्वारा निर्धारित विभिन्न केन्द्रों पर आवेदकों को कम्प्यूटर-आधारित-परीक्षण (CBT) के माध्यम से परीक्षा देनी होगी। चयन मापदण्डों के अनुरूप प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को पुनः केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के विभिन्न परिसरों में अध्ययनार्थ **काउन्सेलिंग** के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

काउन्सेलिंग हेतु आवेदन करते समय प्रत्येक छात्र को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के नौ परिसरों में प्रवेश के लिए अधिकाधिक वरीयता क्रम से अपनी पसन्द का उल्लेख करना होगा, जिस वरीयता क्रम में वह परिसर में प्रवेश लेना चाहता है। इच्छित परिसर में स्थान उपलब्ध न होने की स्थिति में वरीयता क्रमानुसार किसी एक अन्य परिसर में प्रवेश दिया जा सकता है। विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए अखिल भारतीय स्तर पर वरीयता सूची बनाई जाएगी। सफल छात्रों की जानकारी तदनुसार वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

3. शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में उपलब्ध स्थान संख्या

शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में उपलब्ध स्थान संख्या 715 है । परिसर वार उपलब्ध कुल स्थानों की संख्या निम्नलिखित है –

शिक्षाशास्त्री – अध्ययन केन्द्र/परिसर और उपलब्ध स्थान

क्र.	**केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर का नाम**	**उपलब्ध संख्या**
1.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरणवीर परिसर, कोट-भलवाल, जम्मू, (जम्मू एवं कश्मीर) -181122	**110**
2.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, विशालखण्ड-4, गोमतीनगर, लखनऊ, उत्तरप्रदेश- 226010	**55**
3.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर, मेनसे, भारती नगर, शृङ्गेरी, कर्णाटक- 577 139	**55**
4.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा - बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018	**110**
5.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीसदाशिव परिसर, चन्दन हजूरी रोड, पुरी, ओडिशा-752001	**110**
6.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर, पुरनाट्टुकरा, त्रिशूर,	**55**

	केरल - 680551	
7.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया, भोपाल, म.प्र. - 462043	**110**
8.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, बलाहर, सूही, देहरा, हिमाचल प्रदेश-177108	**55**
9.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, सिपाई पारा, लेम्बुचेरा, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा-799210	**55**

4. आरक्षण

भारत शासन के नियमानुसार आरक्षण व्यवस्था निम्नलिखित है -

- अनुसूचित जाति के लिए 15%
- अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5%
- अन्य-पिछड़ा वर्ग के लिए (केन्द्र सरकार की सूची के अनुसार) 27%
- अन्यथा सक्षम (दिव्यांग) /प्रज्ञाचक्षु के लिए 3%
- युद्ध / सैनिक संघर्ष में घायल /मृत व्यक्तियों के बच्चों /विधवाओं के लिए 3%
  (प्रमाणपत्र में हत/ आहत अवस्था का स्पष्ट उल्लेख अपेक्षित है।)
- खिलाड़ियों के लिए (राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में भाग ग्रहण) 2%
- आर्थिक रूप से कमजोर के लिए 10%

उपर्युक्त श्रेणियों के आवेदक परिसर में प्रवेश के समय अपने आरक्षित श्रेणी प्रमाणपत्र को राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापित कराकर आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत करें अन्यथा उनका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा। आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों के अभाव में रिक्त स्थानों को सामान्य श्रेणी के उत्तीर्ण छात्रों से योग्यता-क्रमानुसार भरा जायेगा। आरक्षण निर्धारण विश्वविद्यालय के परिसरों के लिए केन्द्रीय स्तर पर ही होगा।

5. आरक्षित श्रेणी के लिए प्रमाणपत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी

- अनुसूचित जाति/जनजाति/ अन्य अप्रगत जाति के लिए - जिला मेजिस्ट्रेट /सब डिविजनल मजिस्ट्रेट / तहसीलदार/एम.आर.ओ.।
- विकलांग प्रत्याशियों के लिए - मुख्य चिकित्सा अधिकारी, राजकीय चिकित्सालय।
  (न्यूनतम 40 प्रतिशत विकलांगता पर ही आरक्षण देय होगा।)
- सशस्त्र सैनिकों के बच्चों / विधवाओं के लिए - सचिव, थल सेना / नौसेना /वायुसेना बोर्ड।

6. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर के लिए शैक्षणिक धारा के अनुसार आरक्षित स्थान

शिक्षाशास्त्री कक्षा में निर्धारित स्थानों में से अस्सी प्रतिशत (80%) परम्परागत धारा के शास्त्री/आचार्य अथवा समकक्ष अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए तथा शेष बीस प्रतिशत (20%) आधुनिक धारा के बी.ए. (तीनों वर्ष में संस्कृत सहित) / एम.ए. (संस्कृत) के छात्रों के लिए आरक्षित हैं।

- पारम्परिक धारा - शास्त्री, आचार्य, शिरोमणि, विद्वन्मध्यमा, विद्वदुत्तमा तत्समकक्ष।
- आधुनिक धारा – बी.ए. (संस्कृत) एम्.ए. (संस्कृत) तत्समकक्षा संस्कृत विषय सहित। (जो छात्र आधुनिक धारा से बी.ए. (संस्कृत) उत्तीर्ण हो कर पारम्परिक धारा से आचार्य/ तत्समकक्ष प्रथम वर्ष में पढ़ रहा हो उस छात्र का भी आधुनिक धारा में अन्तर्भाव होगा।)
- निर्धारित प्रवेश स्थानों में से पचास प्रतिशत (50%) स्थान अखिल भारतीय वरीयता के आधार पर चुने गये प्रत्याशियों के लिए आरक्षित हैं। शेष पचास प्रतिशत (50%) स्थान विश्वविद्यालय के परिसर तथा परिसर – सम्बद्ध क्षेत्र के प्रत्याशियों के लिए आरक्षित हैं। इनमें तीस प्रतिशत (30%) सम्बद्ध क्षेत्र के लिए आरक्षित हैं एवं बीस प्रतिशत (20%) स्थान उस क्षेत्र में स्थित विश्वविद्यालय के परिसर से शास्त्री/ आचार्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले प्रत्याशियों के लिए आरक्षित है, जहाँ शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम है। (परिसर सम्बद्ध आरक्षण का लाभ उन्हीं अभ्यर्थियों को मिलेगा जो केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसरों जम्मू, लखनऊ, शृंगेरी, जयपुर, पुरी, त्रिशूर, भोपाल, मुम्बई, गरली, अगरतला एवं देवप्रयाग से नियमित रूप से शास्त्री तृतीय वर्ष उत्तीर्ण कर चुके हैं, या पढ़ रहे हैं अथवा नियमित रूप से आचार्य द्वितीय वर्ष, अन्तिम खण्ड में पढ़ रहे हैं या उत्तीर्ण हो चुके हैं।)
- प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण पूर्वोत्तर राज्य के (NER) छात्रों के लिए एकलव्य परिसर में 50% स्थान आरक्षित हैं। (किन्तु अवधेय है कि प्रवेश समय में छात्र द्वारा सक्षम अधिकारी द्वारा सत्यापित निवासस्थान-प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।)
- विश्वविद्यालय परिसर के लिए आरक्षित स्थानों के रिक्त होने पर ये स्थान सम्बद्ध क्षेत्र के चुने गये प्रत्याशियों द्वारा भरे जा सकेंगे। परिसर से सम्बद्ध क्षेत्र के लिए आरक्षित स्थानों के रिक्त होने पर वे स्थान अखिल भारतीय सूची में स्थित चयनित प्रत्याशियों से भरे जायेंगे।
- **क्षेत्र-निर्धारण**- अभ्यर्थी के द्वारा जिस परिसर सम्बद्ध क्षेत्र के विश्वविद्यालय से अथवा मान्यता प्राप्त संस्था से शास्त्री/ बी.ए. (संस्कृत) परीक्षा उत्तीर्ण की गई होगी वह उसी क्षेत्र का अभ्यर्थी समझा जायेगा। (उदाहरण – कोई अभ्यर्थी शास्त्री परीक्षा के उत्तीर्णता आधार पर आवेदन कर रहा हो तो उसका क्षेत्रनिर्धारण ऐसा होगा। आवेदक उत्तरप्रदेश स्थित किसी विश्वविद्यालय से शास्त्री या बी.ए. (संस्कृत) कक्षा उत्तीर्ण कर के आचार्य या एम्.ए. प्रथमवर्ष जयपुर में अध्ययन कर रहा हो तो उस छात्र का सम्बद्ध क्षेत्र उत्तरप्रदेश ही होगा, राजस्थान नहीं।)

विशेषः- धारा तथा क्षेत्रादि से सम्बन्धित आरक्षित स्थानों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन का अधिकार विश्वविद्यालय के अधीन रहेगा।

परिसरों के सम्बद्धक्षेत्र में स्थित परीक्षा संस्थाओं के लिए परिसर सम्बद्ध क्षेत्र (राज्य) -

क्र.	परिसर नाम	परिसर सम्बद्ध क्षेत्र (राज्य)
1.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	जम्मू एवं कश्मीर, पञ्जाब, चण्डीगढ, लद्दाख
2.	लखनऊ परिसर, उत्तर प्रदेश	उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड
3.	श्री राजीव गान्धी परिसर, कर्णाटक	कर्नाटक, तेलंगाणा, आन्ध्रप्रदेश, गोवा, लक्ष्यद्वीप, दमन-द्वीप समूह
4.	जयपुर परिसर, राजस्थान	राजस्थान, दिल्ली
5.	श्री सदाशिव परिसर, ओडिशा	ओडिशा, बिहार
6.	गुरुवायूर परिसर, केरल	केरल, तमिलनाडु, पाण्डिचेरी, अण्डमान निकोबार
7.	भोपाल परिसर, मध्यप्रदेश	मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात, दादरा नगरहवेली
8.	वेदव्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश	हिमाचल प्रदेश, हरियाणा
9.	एकलव्य परिसर, अगरतला	त्रिपुरा, प. बंगाल, असम, मणिपुर, नागालैण्ड, सिक्किम, अरुणाचलप्रदेश, मेघालय, मिजोरम

7. शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) प्रवेश परीक्षा – 2022 हेतु निर्देश

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में शिक्षाशास्त्री में अध्ययनार्थियों के लिए एन.टी.ए. सीयूईटी-पीजी 2022 के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में निर्धारित केन्द्रों पर द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन करने जा रहा है। प्रवेश परीक्षा की दिनांक एवं समय की घोषणा NTA द्वारा की जाएगी है। योग्यता रखने वाले छात्र प्रवेश परीक्षा के लिए अधोलिखित वेबसाईट पर निर्धारित अवधि में ऑनलाईन-आवेदन कर सकते हैं -

https://cuet.nta.nic.in/

साक्षात् पञ्जीयन एवं आवेदन के लिए –

https://examinationservices.nic.in/ExamSys22/Registration/Instruction.aspx

प्रमुख दिनाङ्क

- प्रवेश परीक्षा हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया - 19 मई 2022 से 18 जून 2022 (11.50 PM पर्यन्त)
- पूर्णतया आवेदन किये गये आवेदन के लिए शुल्क समर्पण - 19 जून 2022
- आवेदन किये गए आवेदन में संशोधन - 20 जून 2022 तः 22 जून 2022

- परीक्षा दिनांक - - यथासमय एन.टी.ए. द्वारा घोषणा की जाएंगी।

अभ्यर्थी कृपया आवेदन एवं प्रवेश-प्रक्रिया से सम्बद्ध समस्त महत्त्वपूर्ण दिनांकों के विषय में एन.टी.ए. द्वारा जारी की जाने वाली सूचनाओं के लिए यथासमय एन.टी.ए. की बेवसाइट के माध्यम से जागरुक रहें। आवेदन एवं प्रवेश प्रक्रिया के विषय में एन.टी.ए. का ही एकाधिकार है।

8. **परीक्षा केन्द्र**

एन.टी.ए. द्वारा निर्धारित परीक्षा केन्द्र का चयन छात्र द्वारा दी गई सूचना के आधार पर किया जाएगा । केन्द्र निर्धारण आदि के सम्बन्ध में एन.टी.ए. द्वारा प्रकाशित नियमावली का सावधानी से अवलोकन कर ले । अभ्यर्थी को चुने गये केन्द्र पर ही परीक्षा देनी होगी ।

9. अत्यावश्यक सूचना

- आवेदन प्रक्रिया से पूर्व एन.टी.ए. द्वारा प्रकाशित निर्देशिका तथा इस निर्देशिका को ध्यान से पढ़ें ।
- सीयूईटी-पीजी के अन्तर्गत ऑनलाईन आवेदन ध्यान से भरें । अपूर्ण ऑनलाईन आवेदन स्वीकार्य नहीं होंगे ।
- ऑनलाईन आवेदन में दी गई सूचना का सत्यापन परीक्षा और प्रवेश के समय होगा ।
- किसी भी प्रकार की सूचना प्रमाणित न होने पर नियमानुसार कानूनी कार्यवाही की जाएगी । परीक्षा से वंचित करना/ प्रवेश निरस्त करना भी इसमें शामिल है ।
- एन.टी.ए. द्वारा निर्धारित शुल्क जमा कर आवेदन प्रक्रिया को पूरा करें।

10. विश्वविद्यालय-परिसरों में अध्ययनार्थ काउन्सेलिंग हेतु ऑनलाईन आवेदन के लिए निर्देश

प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर अभ्यर्थी अध्ययन हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परिसर का चयन करेंगे। एतदर्थ उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की सूची जारी की जाएगी। उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रवेश के लिए ऑनलाईन काउन्सेलिंग आवेदन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रदर्शित निर्देशों के अनुरूप से कर सकेंगे। त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण तथा निश्चित तिथि के बाद किए आवेदन स्वीकार्य नहीं होंगे । शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र ही वरीयता क्रम से शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित विश्वविद्यालय के परिसर में प्रवेश पा सकेंगे । यह वरीयतासूची केवल वर्ष 2022 के लिए ही मान्य होगी । प्रवेशोपरान्त स्थानान्तरण की अनुमति नहीं होगी तथा प्रवेशोपरान्त शुल्क भी नहीं लौटाया जाएगा । इस निर्देशिका को ध्यान से पढ़ें और आवेदन तभी करें, जब आप इस के लिए अपने को अर्ह पायें ।

परिसर में प्रवेशार्थ आवेदन प्रक्रिया के समय ध्यान रखें कि -

- ऑनलाईन आवेदन में नवीनतम दिनांक अंकित छायाचित्र एवं हस्ताक्षर अपलोड होना चाहिए ।
- विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक परीक्षार्थियों का सम्बद्ध क्षेत्र (कैचमेंट एरिया) वही माना जायेगा जहाँ से शास्त्री/बी.ए. (संस्कृत)/आचार्य एम.ए. संस्कृत परीक्षा उत्तीर्ण की है ।

- विश्वविद्यालय परिसर कोड, विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले केवल वही छात्र भरेंगे जो विश्वविद्यालय के जम्मू, लखनऊ, शृंगेरी, जयपुर, पुरी, त्रिशूर, भोपाल, मुम्बई, बलाहर, अगरतला एवं देवप्रयाग परिसरों से नियमित रूप से शास्त्री तृतीय वर्ष उत्तीर्ण कर चुके हैं, या पढ़ रहे हैं अथवा नियमित रूप से आचार्य द्वितीय वर्ष के अन्तिम खण्ड में पढ़ रहे हैं या उत्तीर्ण हो चुके हैं।

11. ऑनलाईन आवेदन करने से पहले ध्यातव्य तथ्य

- केवल अर्ह अभ्यर्थी लिखित परीक्षा और काउन्सेलिंग प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते हैं। यदि कोई अभ्यर्थी निर्धारित योग्यता के अभाव में भी शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हो जाता है तो वह स्वयं व्यक्तिगत रूप से इसके परिणाम के लिए उत्तरदायी होगा।
- शिक्षाशास्त्री का पाठ्यक्रम एन.सी.टी.ई. द्वारा मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय के प्रत्येक परिसर में निर्धारित संख्या के अनुसार वरीयता क्रम से ही प्रवेश दिया जायेगा।
- प्रवेशार्हता की जांच, क्षेत्रसम्बन्धी निर्णय, आरक्षणादि का निश्चय आदि निर्णय विश्वविद्यालय के अधीन हैं।
- प्रवेश के विषय में विश्वविद्यालय के कुलपति का निर्णय ही अन्तिम होगा।
- सभी कानूनी मामलों का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में ही होगा।

12. परीक्षावधि एवं परीक्षा सम्बद्ध सूचना

- परीक्षा हेतु एन.टी.ए. की नियमावली अच्छे से समझ लें।
- परीक्षा की अवधि 2:00 घण्टे है, जो एक निर्धारित स्लोट (Slot) के रूप में निर्धारित की जाएगी।
- शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थी कम्प्यूटर-आधारित परीक्षण (CBT) के माध्यम से परीक्षा देंगे। यदि सम्भव हो तो कम्प्यूटर परिचालन का अभ्यास अवश्य कर लें।
- शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा में अवैध साधन प्रयोग करने वाले अथवा किसी से सहायता लेने या देने वाले या अनुशासन भंग करने वाले परीक्षार्थी को केन्द्राध्यक्ष परीक्षा से निष्कासित कर सकते हैं, यथाविधि दण्ड भी दिया जा सकता है।
- यदि किसी के छायाचित्र में विषमता पायी जाती है और सन्देह होता है तो ऐसी स्थिति में परीक्षा से निलम्बन/कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। इसके लिए छात्र स्वयं उत्तरदायी होगा।
- परीक्षा भवन में कैलकूलेटर, मोबाइल फोन, पेजर, स्मार्ट घडी इत्यादि सर्वथा वर्जित है।

13. प्रश्नपत्र रूपरेखा

सङ्गणक-आधारित शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पात्मक प्रश्नपत्र के द्वारा होगी। इस प्रश्नपत्र के दोंनो खण्डों में कुल 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछें जाएंगे। इस प्रश्नपत्र में निम्नलिखित दो खण्ड होंगे –

- **खण्ड 'अ' - सामान्य ज्ञान एवं मानसिक योग्यता** (25 बहुविकल्पीय प्रश्न)

- **खण्ड-'ब'**
  - **भाग 1 – संस्कृतभाषा दक्षता** (25 बहुविकल्पीय प्रश्न)
  - **भाग 2 – संस्कृतसाहित्य** (25 बहुविकल्पीय प्रश्न)
  - **भाग 3 – शिक्षणाभिरुचि** (25 बहुविकल्पीय प्रश्न)

प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर होंगे, जिनमें केवल एक ही समुचित उत्तर होगा। केवल एक सही उत्तर को चुनकर तथा सङ्गणक की स्क्रीन पर दर्ज करना होगा।

14. मूल्याङ्कन विधि

शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षित संस्कृत शिक्षक तैयार करना है । अतः सम्पूर्ण प्रश्नपत्र का माध्यम संस्कृत ही होगा। अतः शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थी को उत्तीर्णता के लिए -

- खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब'- दोंनो खण्डों के कुल प्राप्ताङ्कों (100 अङ्कों) की समान रूप से गणना करते हुए उत्तीर्णता सूची निर्धारित की जाएगी।
- प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्णता हेतु अभ्यर्थी को 35% न्यूनतम अङ्क प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
- शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेशार्थ अर्हता हेतु अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त प्राप्ताङ्कों की वरीयता एवं अन्य सम्बद्ध नियमों के अनुरूप निर्मित की जाएगी।

15. परीक्षा परिणाम सम्बद्ध विशेष सूचना

- प्रवेश परीक्षा के परिणाम की वरीयता सूची अखिल भारतीय स्तर पर होगी।
- विश्वविद्यालय प्रवेश नीति के अनुसार प्रवेश दिया जायेगा ।

16. शिक्षाशास्त्री प्रवेश परीक्षा – 2022 का पाठ्यक्रम

प्रवेश परीक्षा कूटसंख्या - PGQP09

पाठ्यक्रम

PART-A (25 Questions)

Section 1 - सामान्यज्ञानं मानसिकयोग्यता च (General Knowledge & Mental Ability)

भारतीयसंस्कृतिः, इतिहासः, सङ्गीतम्, क्रीडा, राज्यानि, भारतीयसंविधानम्, संस्कृतसाहित्यम्, साक्षरता, विज्ञानम्, राजधानि, ऐतिहासिकस्थानानि, पुरस्काराः (क्रीडा, साहित्यम्, सैन्यम्, विज्ञानम्), विशिष्टदिनाङ्काः, मानवाधिकाराः, विश्वसम्मेलनानि, संस्कृतसंस्थाः, समसामायिकविषयाः, वर्णमाला – क्रमनिर्धारणम्, संख्या – क्रमनिर्धारणम्, आरोह/अवरोहक्रमः, समयः, वासराः, दिनानि, होराः, दर्पणे समयः/शब्दः, आधारः आधेयश्च।

PART B [75 Questions]

SECTION - 1 संस्कृतभाषादक्षता (Proficiency in Sanskrit Language) [25 Questions]

शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि, सन्धिः, समासः – अव्ययीभावः, तत्पुरुषः, द्वन्द्वः/द्विगुः, कर्मधारयः / नञ्, बहुव्रीहिः, कारकम् - कर्तृ, कर्म, करणम्, सम्प्रदानम्, अपादानम्, अधिकरणम्, उपपदविभक्तयः, कृदन्ताः - णिजन्ताः, सन्नन्ताः, तद्धिताः - अपत्यार्थकाः, मतुप्/वतुप्, स्त्रीप्रत्ययाः - टाप्, ङीप्, ङीष्, वाच्यम् - कर्तृवाच्यम्, कर्मवाच्यम्, भाववाच्यम्, वर्तनीगता अशुद्धिः।

SECTION - 2 संस्कृतसाहित्यम् (Sanskrit Literature) [25 Questions]

वैदिकवाङ्मयम्, ब्राह्मणानि, आरण्यकानि, उपनिषदः, वेदान्तः, दर्शनानि, पुराणानि, रामायणम्, महाभारतम्, महाकाव्यानि, कविः, नाटकम्, गद्यम्, पद्यम्, चम्पू, आधुनिकरचनाः रचनाकाराश्च।

SECTION - 3 - शिक्षणाभिरुचिः (Teaching Aptitude) (25 Questions)

शिक्षा, उद्देश्यम्, शिक्षकगुणाः, शिक्षणसिद्धान्ताः, अनुशासनम्, शिक्षणाभिवृत्तिः, कक्षाप्रबन्धनम्, शिक्षकभूमिका, शिक्षणोद्देश्यानि, प्राचीनशिक्षा, शिक्षामनोविज्ञानम्, शिक्षेतिहासः, शिक्षादर्शनम्, शिक्षासमाजशास्त्रम्, समावेशितशिक्षा, राष्ट्रियशिक्षानीतयः (1968, 1986, 2020)।

17. प्रवेश परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के उदाहरण

PART-A

Section 1 - सामान्यज्ञानं मानसिकयोग्यता च

1. योगदिवसः आयोज्यते ?

1.	21 मई	2.	22 मई
3.	21 जून्	4.	22 जून्

2. AI, BJ, CK, ?

1.	EM	2.	DM
3.	EL	4.	DL

उत्तरम् - DL

PART B

SECTION - 1 संस्कृतभाषादक्षता

3. 'विद्यावान्' अस्मिन् पदे अयं प्रत्ययः अस्ति -

1.	वतुप्	3.	ड्मतुप्
3.	मतुप्	4.	वति

उत्तरम् - वतुप्

4. ‘द्वित्राः’ अत्र समासः अस्ति -

1. बहुव्रीहिः
3. तत्पुरुषः
3. द्विगुः
4. द्वन्द्वः

उत्तरम् - बहुव्रीहिः

SECTION - 2 संस्कृतसाहित्यम्

5. अनुबन्धचतुष्टये नान्तर्भवति -

1. विषयः
3. अधिकारी
3. प्रयोजनम्
4. उपदेष्टा

उत्तरम् - उपदेष्टा

6. ‘माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः’ सूक्तिरियं कस्मिन् वेदे उपलभ्यते?

1. ऋग्वेदे
3. यजुर्वेदे
3. सामवेदे
4. अथर्ववेदे

उत्तरम् – अथर्ववेदे

SECTION – 3 – शिक्षणाभिरुचिः

7 राष्ट्रियशिक्षानीतिः 2020 प्रकाशिता -

1. 30 मार्च्
2. 29 जुलै
3. 30 अप्रेल्
4. 20 जून्

उत्तरम् - 29 जुलै

8. शिक्षणं कदा पूर्णं भवति ?

1. यदा पाठः समाप्यते।
3. यदा कालांशः समाप्यते।
3. यदा छात्रस्य अधिगमः भवति।
4. यदा शिक्षकः शिक्षणसमाप्तिं घोषयति।

उत्तरम् - यदा छात्रस्य अधिगमः भवति।